



MAULANA AZAD UNIVERSITY, JODHPUR

मौलाना आजाद विश्वविद्यालय, जोधपुर

Ph. D. COURSE WORK SYLLABUS

पीएचडी कोर्स वर्क पाठ्यक्रम

**Paper-I: BASICS OF RESEARCH METHODOLOGIES**

**(4 Credits)**

[रिसर्च मेथोडोलोजी (अनुसंधान के तरीके) के मूलभूत सिद्धांत]

Methods of finding logics related to research envisaged/need of doing research in a particular field, i.e., methods of finding un-answered/un-explained areas in a field of research; framing research hypothesis; methods of writing the hypothesis, synopsis, plan of work and literature review; methods of writing a research thesis with chapters like: research envisaged, aims and objectives, plan of work, introduction, materials and methods, results/summary and conclusion, bibliography, references etc., methods of sample collection and data analysis, use of basic statistics.

किसी भी क्षेत्र में अनुसंधान करने हेतु विषय का चुनाव करने से पूर्व उसका तार्किक विश्लेषण करना, चुने गए अनुसंधान के क्षेत्र में अनसुलझे विषय खोजना, अनुसंधान के लिए परिकल्पना बनाना व उसे लिखना, अनुसंधान का सार, कार्य योजना व साहित्य सर्वेक्षण लिखना, अनुसंधान थीसिस लिखना व उसके विभिन्न पाठ : जैसे परिकल्पना, लक्ष्य एवं उद्देश्य, कार्य योजना, परिचय, सामग्री एवं तरीके, परिणाम, सारांश, व निष्कर्ष लिखना, अनुसंधान करने हेतु पढ़े गए ग्रंथों की सूची बनाना व संदर्भ लिखना, अनुसंधान करने हेतु नमूने एकत्र करने के तरीके व डेटा विश्लेषण करना, मूलभूत स्टैटिस्टिक्स की जानकारी.

**Paper-II: BASICS OF APPLICATIONS OF COMPUTER TECHNOLOGY IN RESEARCH**

**(4 Credits)**

[रिसर्च में प्रयुक्त होने वाले कंप्यूटर एप्लीकेशन्स की मूलभूत जानकारी]

Knowledge of using MS Office including MS Word, Excel, etc., inserting and drawing charts/tables/figures in computer generated documents, making PDF files, creating and saving word and PDF documents in folders, retrieving the data from recycle bin, method of using internet for literature survey, various search engines, framing and placing key words/phrases in search box to derive required information from websites, method of downloading and saving information received from internet, using email services and protecting computers/data from theft using passwords and need of protection from computer viruses.

MS-Office (MS – वर्ड, MS – Excel इत्यादि) को प्रयोग में लाने की जानकारी. कंप्यूटर में बनाये गए दस्तावेजों में चार्ट्स, ग्राफ्स व चित्र को बनाना व उनका प्रयोग, PDF फाइल्स का बनाना, फ़ोल्डर्स में वर्ड एवं PDF फाइल्स को सहेजना, रीसायकल – बिन से डेटा को पुनः प्राप्त करना, साहित्य सर्वेक्षण हेतु इंटरनेट का प्रयोग सीखना, इंटरनेट के सर्च – इन्जंस का प्रयोग करने हेतु कुंजी शब्दों व वाक्यों का निर्माण एवं सर्च बॉक्स में उनका प्रयोग करके आवश्यक जानकारी वेबसाइट से प्राप्त करना, इंटरनेट से प्राप्त जानकारी को डाउनलोड व सेव करना, ईमेल का इस्तेमाल करना, कंप्यूटर डेटा को पासवर्ड का इस्तेमाल करके चोरी से बचना, कंप्यूटर वायरस से कंप्यूटर के बचाव के तरीके समझना.

**Paper – III: ASSIGNMENT AND SEMINAR**

**(4 Credits)**

**(Based on Review of Literature based on planned research work)**

**(अनुसंधान करने हेतु कार्य योजना में काम आने वाले साहित्य का सर्वेक्षण पर आधारित)**

Every Ph.D. scholar should carry out a literature review, related to proposed topic of research, in various Libraries/Research Labs or any other research facilities, for referring Journals / Books / other Literature etc. The candidate is required to consult and report their progress in review of literature to respective Faculty Dean / RAC members / teachers of University regularly through email/phone on weekly basis (in prescribed formats, if any) and due credit would be given to this literature survey and review. After sufficient review of literature related to the proposed topic of research, every Ph.D. Scholar has to prepare a synopsis and a power point presentation, following the guidelines given by RAC of University, and present the same in prescribed manner as and when instructed.

Ph.D. कोर्स वर्क में प्रत्येक छात्र/ छात्रा को अनुसंधान करने हेतु कार्य योजना में काम आने वाले साहित्य का सर्वेक्षण करना अनिवार्य है. इसके लिए वे किसी भी पुस्तकालय / अनुसंधान प्रयोगशाला / संकाय की मदद ले सकते हैं, ताकि वे अपने अनुसंधान हेतु जर्नल्स / किताबें व विभिन्न साहित्य पढ़ सकें / उसका उल्लेख कर सकें. इस साहित्य सर्वेक्षण के दौरान प्रत्येक Ph.D. छात्र/ छात्रा को इस यूनिवर्सिटी के अपने संकाय के डीन / अध्यापक के संपर्क में रहते हुए, ईमेल के माध्यम से अपनी उपस्थिति एवं साहित्य सर्वेक्षण की प्रगति रिपोर्ट हर सप्ताह एक बार देनी होगी (इसके लिए उन्हें कोई फॉर्मेट दिया जा सकता है). इस साहित्य सर्वेक्षण के लिए प्रत्येक Ph.D. छात्र/ छात्रा को उपयुक्त क्रेडिट अंक दिए जायेंगे. चुने गए अनुसंधान के क्षेत्र में पर्याप्त साहित्य सर्वेक्षण के उपरान्त प्रत्येक Ph.D. छात्र/ छात्रा को इसके आधार पर एक सार लिखना होगा व एक पॉवर – पॉइंट प्रस्तुतीकरण देना होगा, इन्हें बनाने की जानकारी उस संकाय की RAC के द्वारा दी जाएगी. प्रत्येक Ph.D. छात्र/ छात्रा को बताये गए समय पर, निर्धारित प्रारूप में, इसकी प्रस्तुति करनी होगी.